



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 271]

No. 271]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 17, 2005/ज्येष्ठ 27, 1927

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 17, 2005/JYAISTHA 27, 1927

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 17 जून, 2005

सं. 55/2005-सीमा शुल्क

सा.का.नि. 411(अ).—अभिहित प्राधिकारी, चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित, एनालजिन, जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 29 के अंतर्गत आती हैं, के आयात के मामले में, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 7 मार्च, 2001 में प्रकाशित अपने प्रारंभिक निष्कर्षों के आधार पर इस निर्णय पर पहुंचे थे कि —

- (क) चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित एनालजिन का भारत को इसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात की गई है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है ;
- (ख) घरेलू उद्योग को तात्त्विक क्षति पहुंची है;
- (ग) उक्त क्षति विषयगत देशों से आयात द्वारा संचयी रूप से कारित हुई है;

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर, केन्द्रीय सरकार ने भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 9 अप्रैल, 2001 में, सा.का.नि. 251।अ।, तारीख 9 अप्रैल, 2001 द्वारा प्रकाशित भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 38/2001-सीमाशुल्क, तारीख 9 अप्रैल, 2001 द्वारा प्रतिपादन शुल्क अधिरोपित किया था;

और अभिहित प्राधिकारी भारत के राजपत्र असाधारण भाग I, खंड 1 तारीख 12 सितम्बर, 2001 में प्रकाशित अपने अंतिम निष्कर्षों के आधार पर इस निर्णय पर पहुंचे थे कि

- (क) चीन जनवादी गणराज्य और ताईवान में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित और भारत को निर्यातित एनालजिन और उसके आम तौर से उपयोग किए जाने वाले पर्यायवाची, जैसे कि डियाइरॉन, मेटामिजोल, और मेथापाइरॉन का उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात हुआ है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है ।
- (ख) भारतीय उद्योग को तात्त्विक क्षति हुई है ।
- (ग) यह क्षति संबद्ध देशों से आयात द्वारा संचयी रूप से कारित हुई है ।

और अभिहित प्राधिकारी के पूर्वोक्त निष्कर्षों के आधार पर केन्द्रीय सरकार ने, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 8 अक्टूबर 2001 में प्रकाशित, भारत सरकार के तदेन वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 101/2001—सीमाशुल्क, तारीख 8 अक्टूबर 2001 [सा०का०नि० 763 (अ), तारीख 8 अक्टूबर 2001] द्वारा एनालजिन पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित किया था ;

और अभिहित प्राधिकारी, अपने संशोधन संबंधी अधिसूचना सं० 66/ 1/ 2000 - डीजीएडी जो कि भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग I, खंड 1, तारीख 23 मार्च 2005 में प्रकाशित हुई, द्वारा इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि—

(क) चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनालजिन और उसके आम तौर से उपयोग किए जाने वाले पर्यायवाची, जैसे कि डिपाइरॉन, मेटामिजोल, और मेथापाइरॉन का उसके सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर निर्यात हुआ है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।

(ख) भारतीय उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) यह क्षति चीन जनवादी गणराज्य से आयातों के कारण हुई है।

और अभिहित प्राधिकारी चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित एनालजिन के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की।

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (5) और सीमाशुल्क टैरिफ [पाटित वस्तुओं की पहचान, उस पर प्रतिपाटित शुल्क का निर्धारण और संग्रहण तथा क्षति का अवधारण। नियम, 1995 के नियम 18 और 20 के साथ पठित उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अभिहित प्राधिकारी के उक्त निष्कर्षों के आधार पर भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 101/2001—सीमाशुल्क, तारीख 8 अक्टूबर 2001 को जो भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में सा.का.नि. 763 (अ) तारीख 8 अक्टूबर 2001 को प्रकाशित की गई थी, उसको उन बातों के सिवाय अधिक्रान्त करते हुए, जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पहले किया गया है या करने का लोप किया गया है, निम्नलिखित सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट देश या राज्य क्षेत्र में उदगमित या वहां से निर्यातित, जब उनका निर्यात निम्नलिखित सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट निर्यातकों द्वारा की जाए एवं भारत में आयातित, उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले, एनालजिन और उसके आम तौर से उपयोग किए जाने वाले पर्यायवाची, जैसे कि डिपाइरॉन, मेटामिजोल, और मेथापाइरॉन जो कि मर्क इन्डैक्स के प्रविष्टि सं० 3369 में वर्णित हैं, पर उस दर पर प्रतिपाटन शुल्क अधिरोपित करती है जो उक्त सारणी के स्तंभ (3) में उल्लिखित हैं।

सारणी

देश/ क्षेत्र	निर्यातक	प्रतिपाटन शुल्क की दर (अमरीकी डालर प्रति किलोग्राम)
(1)	(2)	(3)
चीन जनवादी गणराज्य	सभी निर्यातक	2.592

2. इस अधिसूचना के अधीन अधिरोपित प्रतिपाटन शुल्क 8 अप्रैल 2006 तक लागू रहेगी जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है (अगर इसे इसके पहले रद्द, संशोधित, या अधिक्रमण न किया जाए) और इसे भारतीय करेंसी में संदत्त किया जाएगा।

स्पष्टीकरण:— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए, प्रतिपाटन शुल्क की संगणना के प्रयोजनों के लिए लागू विनिमय दर वह दर होगी जो सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 की उपधारा (3) के खंड 1क। के उपखंड (i) के अधीन शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर जारी की गई भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना में विनिर्दिष्ट की गई है और विनिमय दर के अवधारण के लिए सुसंगत तारीख उक्त सीमाशुल्क अधिनियम की धारा 46 के अधीन “ प्रवेश पत्र ” के प्रस्तुत करने की तारीख होगी।

[फा. सं. 354/32/2001—टी.आर.यू.]

अजय, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th June, 2005

No. 55/2005-CUSTOMS

G.S.R. 411(E).— Whereas in the matter of import of Analgin, falling under Chapter 29 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in, or exported from the People's Republic of China and Taiwan, the designated authority *vide* its preliminary findings dated the 7th March, 2001, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, had come to the conclusion that -

- (a) Analgin originating in, or exported from, the People's Republic of China and Taiwan, has been exported to India below its normal value, resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries;

And whereas on the basis of the aforesaid findings of the designated authority, the Central Government had imposed an anti-dumping duty *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 38/2001-Customs, dated the 9th April, 2001, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 9th April, 2001 *vide* No. G.S.R.251(E), dated the 9th April, 2001;

And whereas the designated authority *vide* its final findings dated the 12th September, 2001 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, had come to the conclusion that -

- (a) Analgin and most commonly used synonyms of Analgin like Dipyrone, Metamizole, Methampyrone, originating in or exported from China PR and Taiwan has been exported to India below normal value resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the injury has been caused cumulatively by the imports from the subject countries;

And whereas on the basis of the aforesaid final findings of the designated authority, the Central Government had imposed anti-dumping duty *vide* notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No.101/2001-Customs, dated the 8th October, 2001, published in Part II, Section 3, Sub-section (i) of the Gazette of India, Extraordinary, dated the 8th October, 2001 *vide* No.G.S.R.763 (E), dated the 8th October, 2001;

And whereas the designated authority *vide* its amendment notification No.66/1/2000-DGAD, dated the 23rd March, 2005, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, has come to the conclusion that -

- (a) Analgin and most commonly used synonyms of Analgin like Dipyrone, Metamizole, Methampyrone, originating in or exported from China PR has been exported to India below normal value resulting in dumping;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) the injury has been caused by the imports from China PR,

and has recommended the continued imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of Analgin from China PR; ✓

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub sections (1) and (5) of section 9A of the said Customs Tariff Act read with rules 18 and 20 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 101/2001-Customs dated the 8th October, 2001 published vide No.G.S.R.763 (E), dated the 8th October, 2001, except as respects things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government, on the basis of finding of the designated authority in the aforesaid amendment notification, hereby imposes on all imports of Analgin and most commonly used synonyms of Analgin like Dipyrone, Metamizole, Methampyrone as described under entry number 3369 of MERCK INDEX, falling under Chapter 29 of the First Schedule to the said Customs Tariff Act, originating in, or exported from, the country or territory specified in column (1) of the Table below, when exported by exporters as specified in column (2) of the said Table, and imported into India, an anti-dumping duty at a rate which is specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

Table

Country/Territory	Exporters	Amount (US \$ per kg)
(1)	(2)	(3)
China PR	All exporters	2.592

2. The anti-dumping duty imposed under this notification will be effective upto and inclusive of 8th April, 2006 (unless revoked, modified or superseded earlier) and shall be paid in Indian currency.

Explanation - For the purposes of this notification, rate of exchange applicable for the purposes of calculation of anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise of the powers under sub-clause (i) of clause (a) of sub-section (3) of section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and the relevant date for the determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F. No. 354/32/2001-TRU]

AJAY, Under Secy.